Roll No. ....

MAHL-205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

Second Year Examination, 2019 (June)

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. लोक साहित्य को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख विधाओं का वर्णन कीजिए।

2. लोकगाथाएँ क्या हैं? कुमाउनी लोकगाथाओं को वर्गीकृत करते हुए संक्षेप में इनका वर्णन कीजिए।

3. गढ़वाली लोकसाहित्य के इतिहास एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. कुमाउनी लोक साहित्य का आशय स्पष्ट करते हुए उसके इतिहास एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. लोक साहित्य के स्वरूप व प्रवृत्ति का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. 'लघु वार्ता' पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. कुमाउनी नृत्य प्रधान गीतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. गढ़वाली लोकगीतों की प्रमुख प्रवृत्तियां समझाइए।

5. एक गढ़वाली लोक-कथा का वर्णन कीजिए।

6. गढ़वाली 'चौफुला' गीत पर टिप्पणी लिखिए।

7. किसी एक कुमाउनी लोक गाथा का वर्णन कीजिए।

8. लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी परम्परा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड-ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) तथ्यनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)

एक शब्द में उत्तर दीजिए।

1. 'हुड़की बौल' का संबंध किस कार्य से है?

2. 'चौफला' किस प्रकार का गीत है?

3. 'गुमानी' का वास्तविक नाम क्या है?

4. 'उत्तराखण्ड काव्य' पुस्तक के रचनाकार कौन हैं?

5. 'भूम्याल' महाकाव्य के रचनाकार कौन हैं?

सत्य/असत्य चुनिए

6. 'गढ़वाली समाचार' गढ़वाली का पहला समाचार पत्र नहीं था।

7. 'भगनौल' और 'न्योली' अनुभूति प्रधान गीत हैं।

8. गढ़वाल में 'झुमैलो' गीत वेदना और प्रेम के प्रतीक हैं।

9. स्त्रियों की शौर्यगाथा की याद दिलाने वाला उत्सव 'कंडाली' महोत्सन है।

10. प्रतिवर्ष मकर संक्रान्ति के दिन 'बिखौती मेला' लगता है।